कवि-परिचय

नाम : राम नरेश प्रसाद वर्मा

जन्म-तिथि : 2.1.1940

जन्म-अस्थान : आँकुपुर, बेलखरा, अरवल, गया

सिच्छा : एम.ए. (भूगोल)

निवास : मगही साहित्य संस्थान, गाँगो बिगहा, गया

जगजीवन कॉलेज, गया में भूगोल विभाग के प्राध्यापक रहलन आउ उहें से सेवा-निवृति भेलन ।

छपल पुस्तक—1. च्यवन – मगही प्रबंध काव्य, 2. गाँधी – मगही प्रबंध काव्य, 3. अछरंग – मगही उपन्यास, 4. सेजियादान – मगही कहानी सेंगरन, 5. रतन जोत – मगही कविता सेंगरन, 6. चमोकन – मगही ललित लेख सेंगरन, 7. इन्सानियत अभी बाकी हे – मगही एकांकी संगरह, 8. गीतकार राम नरेश प्रसाद वर्मा के गीत , 9. नया समाज – मगही एकांकी सेंगरन, 10. मुस्कान –सम्पादित कविता संकलन।

वर्मा जी सुभाव से मृदुभासी हलन। उनकर गीत में वर्त्तमान समाज के चिंतन, समाज सुधार आउ देस प्रेम के दरसन मिलऽ हे। ई अप्पन रचना से दलित–सोसित के मूक अवाज मुखरित कयलन हे।

'बिहार गौरव' कविता में कवि राम नरेश प्रसाद वर्मा बिहार के गौरव गाथा गयलन हे। बिहार के समाजिक, प्राकृतिक, राजनीतिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक आउ पारंपरिक स्वरूप कइसन हे, ओकर चित्रन बड़ा बारीक ढंग से कयलन हे। हमनी के मगध के इतिहास समूचे देस के इतिहास बतावल जा हे। एही कारन हे कि आज भी बिहार अप्पन पुरनकी गौरवगरिमा के समेटले हे आउ अप्पन पहचान बनयले हे।

बिहार-गौरव

धन धरतिया हे बिहार के धन हे एकर भासा।
कलह, बाढ़, अग्गिन देवित हे संकट हरदम खासा।।

मगही, मैथिली, भोजपुरी, मुंडा, उराँव, संथाली।
अंगिका, बज्जिका, हो चाहित हिन्दी के हरियाली।।

बने पुस्ट पी दूध माय के सबके हे अभिलासा।
धन धरतिया हे बिहार के धन हे एकर भासा।।

राजगीर, पावापुरी, पटना, बोधगया, वैशाली।
गया, नालंदा, सासाराम, सब हे गौरवसाली।।

तक्षशिला कह रहल पहिलकन सबसे हाल खुलासा।
धन धरतिया हे बिहार के धन हे एकर भासा।।

महावीर, गौतम, गाँधी के कर्मभूमि कहलायल।
सत्य, अहिंसा के संदेसा इहँइ से छितरायल।।

अदँऊ से अबतक हे देखल बहुत पलटते पासा।
धन धरतिया हे बिहार के धन हे एकर भासा।।

जनतंतर के बहुत पुराना इहँइ मिलल चिन्हानी।
केन्द्र ग्यान के मिले, मिलथ बड़-बड़ योद्धा आ ग्यानी।।

खान, खनिज, उपज पर एकर लगल देस के आसा।
धन धरतिया हे बिहार के धन हे एकर भासा।।

अभ्यास-प्रस्न

मौखिक

1. 'बिहार के गौरव' सिरसक कविता में केकर गौरव बतावल गेल हे?
2. बिहार में कउन-कउन भासा बोलल जा हे?

3. तक्षशिला काहेला मसहूर हे?

4. बिहार करमभूमि केकर–केकर रहल हे?

5. बिहार के धनी काहे बतावल गेल हे?

लिखित

1. कवि राम नरेश प्रसाद वर्मा के परिचय बतावऽ आउ उनकर दूगो रचना के नाम लिखऽ।

2. बिहार के गौरव-गरिमा में कउन–कउन भासा आउ जगह के नाम आयल हे?

3. महावीर, गौतम आउ गाँधी के बिहार से का संबंध रहल हे, ऊ इतिहास बतावऽ।

4. बिहार सत्य आउ अहिंसा के संदेस देलक हे, ओकरा तू परमानित करऽ।

5. नीचे लिखल पद्यांस के सप्रसंग व्याख्या करऽ :

(क) तक्षशिला कह रहल पहिलकन सबसे हाल खुलासा।
धन धरतिया हे बिहार के धन हे एकर भासा।।

(ख) जनतंतर के बहुत पुराना इहँइ मिलल चिन्हानी।
केन्द्र ग्यान के मिले, मिलथ बड़–बड़ योद्धा आ ग्यानी।।

6. बिहार के गौरव-गरिमा पर अप्पन विचार व्यक्त करइत सारांस लिखऽ।

नीचे लिखल के भाव बतावऽ—

(क) धन धरतिया हे बिहार के

(ख) बने पुस्ट पी दूध माय के

(ग) जन तंतर के मिलल चिन्हानी

(घ) केन्द्र ग्यान के मिले, मिलथ बड़–बड़ योद्धा आ ग्यानी

7. कविता के भाव आउ सिल्प-सौंदर्य के बरनन करऽ।

भासा-अध्ययन

1. 'बिहार-गौरव' कविता तुकांत हे या अतुकांत ?

2. नीचे लिखल उपसर्ग से सबद बनावऽ—

अभी, पु, दे, अ, उ

3. नीचे लिखल सबद से बिसेसन बनावऽ—

दूध, बिहार, पटना, धन, धरती, मगह

4. नीचे लिखल के विपरीतार्थक सबद बतावऽ :

सत्य, हिंसा, ग्यानी, धनी, पुराना

5. नीचे लिखल सबद से वाक्य बनावऽ :

अभिलासा, गौरवसाली, चिन्हानी, केन्द्र, अहिंसा

6. कविता में अनुप्रास अलंकार कउन–कउन पंक्ति में आयल हे, लिखऽ ।

योग्यता-विस्तार

1. 'बिहार-गौरव' से मिलइत-जुलइत भाव के एगो कविता चुन के लावऽ आउ ओकर काव्य पाठ करऽ।
2. बिहार के गौरव पर एगो निबंध प्रतियागिता आयोजित करऽ आउ अच्छा निबंध पर इस्कूल से पुरस्कार बाँटे के आयोजन करऽ।
3. आज बिहार के दुर्दसा पर एगो भासन प्रतियोगिता आयोजित करऽ ।
4. बिहार के गौरव गरिमा कइसे बढ़ावल जा सकऽ हे, दोस्त के पास चिट्ठी लिख के बतावऽ।

सब्दार्थ :

मगही	—	मगध छेत्तर के भासा
मैथिली	—	मिथिला छेत्तर के भासा
मुंडा, उरांव	—	आदिवासी छेत्तर के लोग
संथाली	—	संथाल इलाका में बोलेवाला भासा
पहिलकन	—	पहला
चिन्हानी	—	पहचान
खनिज	—	धरती के अंदर से खोद निकालेवाला पदार्थ।

●